

अवधी वि. (तत्.) अवध का, अवध से संबंधित
स्त्री. (तत्.) अवधी भाषा, अवध की बोली।

अवधीरण पुं. (तत्.) अवमान, तिरस्कार करना।

अवधीरित वि. (तत्.) अपमानित, निरादृत,
तिरस्कृत।

अवधूक वि. (तत्.) वधू-विहीन, बिना पत्नी का,
अपत्नीक।

अवधूत वि. (तत्.) 1. हिलाया गया, अस्वीकृत
2. आसक्तिहीन, विरत पुं. (तत्.) 1. संन्यासी
2. योगी, वह साधु जो पूर्णतया विरक्त हो।

अवधूत-मत पुं. (तत्.) संन्यासियों का एक
विशिष्ट संप्रदाय, नाथपंथ, गोरखनाथ द्वारा
स्थापित संप्रदाय, दत्तात्रेय संप्रदाय।

अवधूतवेश वि. (तत्.) 1. (साधु की तरह) नग्न,
वस्त्रविहीन, निर्वस्त्र, बिना वस्त्र का 2. औघड़ों
की तरह वस्त्र पहने हुए।

अवधूतिका स्त्री. (तत्.) ऐसी साधिका जिसने
अवधूत मत स्वीकार किया हुआ हो, अवधूती।

अवधूती स्त्री. (तत्.) 1. दे. अवधूतिका वि.
अवधूत संप्रदाय से संबंधित 2. अवधूत मत का।

अवधूपित वि. (तत्.) (धूप आदि पदार्थों से)
सुगंधित सुवासित, सुगंध वाला।

अवधूत वि. (तत्.) निश्चयीकृत, अवधारित, गृहीत।

अवधेय वि. (तत्.) 1. ध्यान देने योग्य, विचारणीय,
जानने योग्य 2. रखने योग्य पुं. (तत्.) 1. नाम
2 ध्यान।

अवधेश पुं. (तत्.) अवध के नरेश, अवध के राजा
दशरथ।

अवध्य वि. (तत्.) वध के अयोग्य, न मारने
योग्य। उदा. हिंदू समाज में गाय अवध्य है।

अवध्वंस पुं. (तत्.) 1. परित्याग, छोड़ना 2. निंदा
3. नाश 4. गिर कर दूर जा पड़ना 5. राख, चूरा।

अवध्वस्त वि. (तत्.) 1. नष्ट, विनष्ट 2. निंदित
3. बिखेरा हुआ, छिड़का हुआ।

अवन पुं. (तत्.) 1. रक्षण, बचाव 2. प्रसन्नता 3.
इच्छा 4. संतोष स्त्री. (तत्.) 1. अवनि, जमीन

पुं. (अं.) भोजन के व्यंजनों आदि को भूनने,
गर्म करने, गर्म करके सुखाने आदि के लिए
प्रयुक्त उपकरण तंदूर, अंगीठी आदि 2. रास्ता।

अवनत वि. (तत्.) 1. झुका हुआ 2. नीचा, हीन
3. अस्त होता हुआ 4. विनीत।

अवनति स्त्री. (तत्.) 1. अधोगति 2. कमी, न्यूनता
3. हानि, पतन 4. अस्त होना, डूबना।

अवनद्ध वि. (तत्.) 1. मढ़ा हुआ, बँधा हुआ,
कसा 2. निर्मित, बना हुआ 3. निश्चित किया
हुआ 4. बैठाया हुआ पुं. 1. मृदंग 2. ढोल।

अवनद्ध वाद्य पुं. (तत्.) वे ताल वाद्य जो चमड़े
से मढ़े हुए होते हैं जैसे- तबला, ढोलक, मृदंग
आदि पर्या. आनद्ध वाद्य, वितत वाद्य।

अवनमन पुं. (तत्.) 1. झुकने की प्रक्रिया,
झुकाव 2. उतार, नीचे की ओर होने की स्थिति।

अवनमन कोण पुं. (तत्.) खगो. क्षैतिज तल के
नीचे स्थित किसी वस्तु को देखने के लिए प्रेक्षक
को अपनी आँखें इस तल से जितनी झुकानी
पड़ती हैं, उसकी मात्रा।

अवनयन पुं. (तत्.) नीचे की तरफ ले जाना,
नीचे गिरना।

अवनाम पुं. (तत्.) 1. भाषा. वह शब्द जो किसी
बड़े वर्ग का सदस्य हो उदा. 'बिल्ली एक
जानवर है' वाक्य में 'बिल्ली' अवनाम है
2. अवनमन।

अवनायक वि. (तत्.) नीचे ले जानेवाला; अवनति
करने वाला।

अवनि स्त्री. (तत्.) (प्राणियों की रक्षक या धारक)
पृथ्वी, जमीन पर्या. धरित्री, धारयित्री, वसुंधरा,
वसुधा।

अवनिचार वि. (तत्.) 1. पृथ्वी पर विचरण करने
वाला 2. पृथ्वी पर घूमते रहने वाला, घुमक्कड़,
भ्रमणशील।

अवनिज पुं. (तत्.) 1. दे. अवनिसुत वि. पृथ्वी पर
उत्पन्न होने वाला, पेड़-पौधे, लता, घास आदि,
उद्भिज।

अवनितल पुं. (तत्.) भूतल, धरातल, पृथ्वी की
सतह।